यह कहकर

मैं इराकी नहीं हूं इसलिए मरने से बच गया-
यह कह कर क्या बच गया मैं सचमुच ?

अफ्रीकी होता तो त्वचा को कितना सताया जाता
यहूदी होता तो कितनी दूर भागता गैस-चेम्बर में
आदिवासी होता तो जी पाता कितने साल
धार्मिक होता तो किस हद तक होता अराजक
मछली होता तो किस समुद्र में बच पाता
चुप रहकर कब तक बचता आतंकवादियों से ?

इनमें से कुछ नहीं हूं इसलिए बचा हुआ हूं -

यह कह कर
क्या मैं बचा हुआ हूं सचमुच ? ◆

❑ कुमार अंबुज
प्रस्तुति : प्रभात